भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2201
21/12/2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

समुद्र की सतह के नीचे छिपे खनिज भंडार

2201 # श्री हरनाथ सिंह यादव:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के संज्ञान में है कि समुद्र की सतह के नीचे लोहा, तांबा, जिंक, सोना, प्लेटिनम आदि असंख्य बहुमूल्य खनिज भंडार छिपे हुए हैं यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;और

(ख) क्या सरकार ने देश की आर्थिक संरचना की समृद्धि की दृष्टिगत रखते हुए समुद्र में छिपी हुई अपार खनिज संपदा को खोजने के लिए कोई कार्य योजना निर्धारित की है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) जी हां। समुद्रतल में पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल, पॉलीमेटैलिक सल्फाइड्स तथा कोबाल्ट युक्त फेरोमैंग्नीज क्रस्ट्स के रूप में विभिन्न खनिज पदार्थ उपलब्ध हैं। समुद्रतल में मौजूद पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल में निकेल, कॉपर, कोबाल्ट और मैंगनीज जैसी धातुएं उपलब्ध हैं। पॉलीमेटैलिक सल्फाइड्स, हाइड्रोथर्मल वेंट एरिया में स्थित विशाल डिपॉजिट होते हैं, तथा इसमें तांबा, जस्ता, सीसा, लौह, चांदी, सोना, तथा प्लैटिनम आदि जैसी बहुमूल्य धातुएं होती हैं। सीमाउंट और रिज वाले क्षेत्र में अधिक छिछली गहराईयों में कोबाल्ट-समृद्ध फेरोमैंगनीज क्रस्ट निर्मित होते हैं, और इसमें निकेल, मैंगनीज तथा प्लैटिनम जैसी अन्य धातुओं के साथ भारी मात्रा में कोबाल्ट होता है।

(ख) जी हां। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून कन्वेंशन (UNCLOS) के अंतर्गत गठित निकाय अन्तरराष्ट्रीय समुद्रतल प्राधिकरण (ISA) के साथ दो अन्वेषण संविदाओं के अंतर्गत हिंद महासागर में गहरे समुद्र में खनिज अन्वेषण किया है। पॉलीमेटैलिक नॉड्यूल्स हेतु अन्वेषण संविदा के अंतर्गत, सेंट्रल इंडियन ओशन बेसिन (CIOB) के 75,000 वर्ग किमी क्षेत्रफल में संसाधन गुण-निर्धारण तथा प्रौद्योगिकी विकास गतिविधियां संचालित की गई हैं। पॉलीमेटैलिक सल्फाइड्स अन्वेषण (PMS) की संविदा के अंतर्गत हिंद महासागर में सेंट्रल इंडियन रिज (CIR) और साउथ वेस्ट इंडियन रिज (SWIR) क्षेत्र में 10,000 वर्ग किमी के आबंटित क्षेत्रफल में सर्वेक्षण गतिविधियां संचालित की गई हैं।

*****